जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
मदाऊ पोस्ट–भॉकरोटा, जिला–जयपुर–302026

क्रमांक प. (06) जरारासंविवि/पुस्त./2015/2664 दिनांक : 09/12/2015

प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़
जी–8 मुल्तान कुंज, भगत की कोठी विस्तार,
जोधपुर (राज.) – 342005

विषय :–विश्वविद्यालय को भेंट स्वरूप भिजवाई गई अनुसंधान पुस्तकों के संबंध में।
सन्दर्भ :– आपका पत्र दिनांक 15.10.2015

आदरणीय महोदय,

आपके प्राप्त पत्र के सन्दर्भ में आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि आपने विश्वविद्यालय पुस्तकालय के लिए आप द्वारा रचित विभिन्न विषयों की (पी.एच.डी.) स्तर की पुस्तकें भेंट स्वरुप इस विश्वविद्यालय को प्रदान कर हमें अनुग्रहीत किया इसके लिए विश्वविद्यालय पुस्तकालय सदैव आपका ऋणी रहेगा। आप द्वारा अब तक (13) किश्तों में **कुल 118** पुस्तकें विश्वविद्यालय को भिजवाई गई है, जिनको पुस्तकालय परिग्रहण पंजिका में निम्नानुसार अंकित किया गया हैं :–

1. पांच पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 28725 से 28729 पर दर्ज है।
2. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 28774 से 28783 पर दर्ज है।
3. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 28993 से 29002 पर दर्ज है।
4. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 29119 से 29128 पर दर्ज है।
5. नो पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 31259 से 31267 पर दर्ज है।
6. आठ पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 31539 से 31546 पर दर्ज है।
7. सात पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 31918 से 31924 पर दर्ज है।
8. आठ पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 32117 से 32124 पर दर्ज है।
9. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 32551 से 32560 पर दर्ज है।(7.6.14)
10. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 32600 से 32609 पर दर्ज है।(7.11.14)
11. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33012 से 33021 पर दर्ज है।(5.4.15)
12. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33550 से 33559 पर दर्ज है।(15.7.15)
13. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33574 से 33583 पर दर्ज है।(15.10.15)

आपने पत्र के द्वारा सूचित किया है कि भेजी गई पुस्तकों का फोटोग्राफ भिजवाऐं। इस संदर्भ में आपको आपके ई–मेल पर पुस्तकों का फोटोग्राफ व पत्र के साथ फोटो प्रति भी भेजी जा रही है। आपको पुनः धन्यवाद पत्र प्रेषित किया जा रहा है एवं यह आशा व्यक्त की जा रही है कि भविष्य में भी आपका सहयोग हमें इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा तथा आप द्वारा भेजी गई पुस्तकों से पाठक समुदाय लाभान्वित होता रहेगा। सभी पाठकों ने आप द्वारा भेजी गई पुस्तकों का गहन अध्ययन कर सराहना की। आप द्वारा भिजवाई गई पुस्तकों को पुस्तकालय में एक अलग रिसर्च बुक सैल में अध्ययन कक्ष के अन्दर डिस्पले कर रखा है, ताकि अधिक से अधिक पाठक इन पुस्तकों का अध्ययन कर लाभान्वित हो सकें।

आपको उक्त सभी (13) किश्तों में भिजवाई गई पुस्तकों के लिए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय, कुलसचिव महोदय एवं अधोहस्ताक्षरकर्ता की ओर से कोटि–कोटि सादर धन्यवाद।

सादर ससम्मान ।

प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष
जरारासंविवि,जयपुर